

पवति गुरु २ स्वाहा ॥ ॐ कूं नदि नव लिगुरु २ स्वा
लिगुरु २ स्वाहा ॥ ॐ कूं स्वस्म न कृया ला
महा नृत्तस्थ नस्थ नरु न
नृत्तस्थ ॥ ॐ ना
स्वाहा ॥
यम

ॐ नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

नमः

॥ नै कीं शी धूर्त कि मां कि द वां या द कां यु ज मा मि ॥ न तां ॥
न क व लू द्वि रु जा ना वा ल द य ध ना ॥ न ति त्रि का ल यु ज ॥
वि का न स ॥ प्रि मां ड लि ॥ नै कूं सों सर्व सा रा रु ष्य ना द वां शी या द कां
यु ज मा मि ॥ कूं सर्वा व र्ग मू र्ता द र्श य त् ॥ आ वा ह ना दि ॥ सु ॥ नि र्मी त
व रू न ॥ न क व न द न ॥ श्रा य न द ॥ क मु नी ॥ क र्पू न ॥ ग म ना य न ॥ उं क म
॥ स मा ला य वृ र्ति का कृ त्वा ॥ ॥ ध र्द थ न ॥ गु गु नि ॥ अ क र ॥ क र्पू न ॥ रु
य स्था न ॥ यु का ॥ अ क र्द इ द ॥ वा ॥ न न मां स ॥ ॥ थ त थि ताल स ग कं ग
क र्द थ न ॥ दि व्य अ लि ॥ हा म ल श क न ॥ म लु ले म ॥ ॥ ॥
य मु ख न सो रा ष्य ष्य ना म रू न ॥ न तां ॥ न क व लू य रु रु
जा वा श ॥ रु स रू ॥ नि ली ॥ क या लं वां ज द रू व रू सि द रू स न रू

मु. ग. ॥ नृ. ति. ध्यान ॥ नृ. द्रो. शा. ॥ नमः ४ स्था. ॥ ध्यान ॥ मो. ॥
 नो. ॥ तता. यु. री. क. न. स्व. स. म. नृ. ॥ नवलिदद्यात् ॥ धू. य. य. ॥ जा. य. ॥
 ना. ॥ जा. य. ॥ नृ. द्रो. ॥ र्शोः. स्था. ॥ १०. ॥ मु. ॥ गु. नृ. मु. ति. ॥ ति. द. द. ॥
 वृ. द्वा. न्या. दि. ॥ ति. यू. न. मा. ॥ अ. ॥ ग. न्या. दि. ॥ ध. ना. सा. ध. न. ॥ ॥ ॥
 ॥ व. रु. य. ॥ त. अ. या. ह. न. ॥ ति. द. व. ॥ तता. य. धि. म. द. गु. लि. या. य. ॥
 ध. न. मा. व. लि. ड. लि. क. ध. ॥ ग. स. ॥ ध. न. लि. उ. त. न. द. गु. लि. व. लि. र. व. क. ॥
 ध. ॥ ग. ठ. लि. स. ॥ धू. ड. न. थ. ति. लि. स. ॥ ॥ तता. शा. व. क. यू. ड. न. ॥ धू.
 र्शो. क. क. म. न. ति. यू. ना. मा. य. क. र्मी. र्च. न. का. न. य. ॥ क. ल. स. द. म. क. न. सा. ति.
 यू. ना. मा. य. क. म. न. यू. ड. य. नृ. ॥ वा. यू. व. ग. कि. वा. ड. का. म. ना. ड. ॥ म. द. म.
 क. न. सा. य. क. र्श. र. वा. य. ॥ ध. न. मा. व. लि. द. ध. या. न. क. ध. ॥ ॥ ॥

मंगु कयाडा ॥ नदि न सादि थय ॥ धनलिसकलसनयानलया
नवन ॥ मंगुयकलयकावनाट ॥ नसडागलान ॥ सातिका
क्रयाविधिः ॥ यलार्थसलमनहायावयतसिधुडुडमकास्वा
नयायाव ॥ माहनासधडिनासयधिम ॥ उडनगियूनयागियाडे
लियाडाव ॥ धूय ॥ दीय ॥ डाय ॥ मुति ॥ **धनलिमूलनाट ॥** नस
लमनहायावयतसिधुडुडमकास्वाखल ॥ गुननमस्काव
याडाव ॥ आत्मयुडा ॥ गिदव ॥ नदिमहाकाल ॥ नाट ॥ नमूल ॥ धन
गियाडलिनयय ॥ धूयदीयडायमुगिसनाया ॥ धनदवडायमकाव
ददि न युयकयवसुका ॥ ततागमनादिमूठियुडा ॥ **सिस्कि**
यायावयावनमालसालदयवगुणयमूनसस्किमकाव

नय ॥ नदिदीयलसवका ॥ आचार्यसंज ॥ यागुल ॥ नय
वनमालकलसाय ॥ **ततामूठियुडा ॥** उं दू वं विमूयताल
धलमूठिनमः ॥ **तालवन ॥** उं दू नं नदि क ॥ नमूलसयसु
यादिननमः ॥ **जवववलिथाक ॥** उं दू कं किं ननायकासत्य
नात्मननमः ॥ **खव ॥** उं दू नदिमलुलयनमः ॥ **जवरिवथाक ॥**
उं दू वं दू दू नमहायाआत्ममूठिनमः ॥ **खवरिवथाक ॥** उं दू नं न
न ॥ ययनमः ॥ उं दू उं दू नयनमः ॥ उं दू हाहायनमः ॥ उं दू दू
दू नमः ॥ **यदुगयन ॥** अयिथविगयन ॥ उं दू कलात्मनतिन
ऊनयतधनात्मनमः ॥ **जवगधुकावा ॥** उं दू मूठियुडेनयट
धनात्मननमः ॥ **खवगधुकाव ॥** नाट ॥ नमूलमकुल ॥ धन
गतमंयु कसकल ॥ आयाहनादिवलिनयय ॥ **धनसंयुदय**

॥ यत्तु नानासु नानाविधिः ॥

नानाविधयस्त्रिंशद्विंशतिः ॥ भासनीयाम् प्रायश्चित्तकाम् ॥ सरुं
लुप्य ॥ यत्तिम् ॥ जानधि ॥ रवाउसमयदवसकश्रागलतयावयान
भासकलखाउसमयविमावययनथियकमाल ॥ ययनमथिल
साननुडावलिथययनथियमाल ॥ **नानादवकायावयारु**
द्वय ॥ कषुवसककायालकमालथनलिदक्षि ॥ यलायुसदक्षि ॥
उऊमानदवाडावयलायुसजुतिसयविथ ॥ स्वस्तिकसतपावन
वचन ॥ इसकनतपाठकलसाहिरव ॥ सज्वनाथिआशीर्वाद ॥ थ
लुलिनत्वाय ॥ वानकससद्वाय ॥ जानधिदुर्लुवन्दु ॥ नृतिवलायु
याविधिसमायः ॥ धुनलिउऊमानादिसकलथवभायसंबमाद
प्रकानकमाडावस्नानविथ ॥ इवनयायवशूठकास्वानुविनि

सिंभननायविथ ॥ वलिविसईनयाडावसाविथाय ॥ यननगसक
नयाडाव ॥ लयायनहमावयुलिहावय ॥ विद्यालंयूसलसायम
ल ॥ थनधूनडावथवथवसयुवडावसज्वनकायावययनथिय
यद्यायनताय ॥ यामनमासकलसंथथइला ॥ **नृतिमूल**
विधिसमाय ॥ ॥ अननियदूकूदूखतजाय ॥ नाठज
नयूजा ॥ यशुतयल ॥ थाकानदुयावसमयविथ ॥ स्नानकासकास
ताथावरतजावय ॥ स्वस्तिकयायावसूगनासानाव ॥ स्वस्तिकस
थाय ॥ यारवतमागमनयायननृवदूनादिदीयलादेनकास
॥ अनधिआशिर्वाउथवथवसज्वनविथसरुं ॥ जानधियुतिश्वा
॥ यटजामक ॥ दमश्वावदक्षि ॥ नयकावसूठआदिन ॥ य

अनमासकलं यनवायन स्वत जात्रय ॥ दव क्रायके ॥ स्विस
म सुनता व्याखन मद्र न सा ॥ **तिखत जाय विविः** ॥ धनाद सद
मधून दाव अखान सद गु क्क यूजा ॥ यिषाल वृसमन जात ॥ धन
साया वीला सा न दयाव ॥ अखान या नखास स्वपू गम सा द मश धान
नय काव अखान दसा नावयन ॥ समय विम ॥ धनाद व क्राय ॥ स्वा
न क काय य लाउ ज्ञा आदिन सकल विम ॥ **वलि विसर्जन यय**
थ न लोभन कत मागु लिखिय ॥ वान कलस कथा बुद्धास ॥
कामानि जागया दाव ॥ **इडमान डिल सा दवा दाव मडिन सा डि**
सनयाय ॥ **हसक य गमा दाव** ॥ समय द्या योव ॥ नय
यि तथा ता ॥ अस्मिन् सति ॥ अदिन ॥ धना तु नि डड मान योव

यानि कुसन वयन थिय ॥ धन आन नदया दाव स्वान ॥
विसर्जन ॥ **साविधाय** ॥ धन कलस नाठ ॥ नमसा ना गु वि
विधि ॥ **कामानि जाग दूकान ता समान** ॥ **तिमाहन वि**
विधिसमाय ॥ ॥ **उं नमः ॥ श्री गुरु नो धाय ॥ उं नमः ॥**
शायन दव ताय ॥ नता श्री वक्र यूजा लिखिय ॥ नै को श्री नन्द नाया
नायनमः ॥ नै को श्री नल दीयाय नमः ॥ नै को श्री नलम लुलाय नमः ॥
॥ नै को श्री को कामद वाय लैनमः ॥ नै को श्री वी व सकय नमः ॥ नै को
श्री ए ग लु य तय नमः ॥ नै को श्री वी व दूकानमः ॥ नै को श्री दौ द जी
यनमः ॥ नै को श्री दौ क उ या लाय नमः ॥ नै को श्री दानाय नमः ॥
नै को श्री गनयतय नमः ॥ नै को श्री लौ लौ लौ **लौ लौ लौ** ॥

श्री नमो भगवते ॥ स्व आसन ॥ आध्यात्मिक कर्मलासनाय नमः ॥
 नमो भगवते ॥ स्व आसन ॥ यथा दत्तात्रेय विष्णु ॥ तत्राह ॥
 भयंकर ॥ यूनक ॥ कुरुक ॥ याल्मामन हतशुद्धि वकनयन ॥ नै
 द्रौगोर्नः ॥ अग्रियक कामगोर्नयमिग्रीसनाथामिकश्रीका
 मश्वनाद ॥ योनदानगकिश्यायादका ॥ नै द्रौगोर्नः ॥ सूर्यवक
 अतिसत्ताथामिकवद्वश्वनादवाविम्वानगकिश्यायादका ॥
 नै द्रौगोर्नः ॥ सामवकयूर्लगायीलयषषीसनाथामिक
 रुगमालिना ॥ दवीप्रकात्मगकिश्यायादका ॥ नै द्रौगोर्नः ॥
 नमो भगवते ॥ स्व आसन ॥ यथा दत्तात्रेय विष्णु ॥ तत्राह ॥
 नमो भगवते ॥ स्व आसन ॥ यथा दत्तात्रेय विष्णु ॥ तत्राह ॥

मलममलसामाकववववधु॥ नैकांशो नैकांशो ॥ श्रीगु
 नसुन्दनाथो आत्मानं न करे स्वाहा ॥ आत्मनः कामानसि यदुत
 ॥ नैकांशोः प्रियं न सुन्दनाथो आनन्दवकुनि नमः ॥ वकु
 नैकांशो नैकांशोः रुद्र ॥ अननमनननलप्रमक्योतु ॥ तमाक
 ममलुलकानयत ॥ मध्यमिका लमसा नदिदश ॥ लयगुर्दश ॥ तद्वा
 द्यता प्रयुयथा उसानमसायनः ॥ नृपतयुका लकुममलुल
 कालयत ॥ नैकांशो नैकांशोः समस्तयकटगुपाननसंयय
 कुलकोलनिगदूनसास्थप्रागिन्यः ॥ शीयादकशा नमः ॥ नृतिमन
 नम ॥ ललयुयदाययत ॥ ॥ तता अर्थया प्रसाधनसुयनायव
 कुमलुलकानयत ॥ प्रुओ अदिगुवनागिमुययत ॥ नैकांशो

नाथनमः॥ अर्धयागसनाथनमः॥ अर्धयागमुपयनमः॥ नमः
जन॥ उदकनयूनमित्वा॥ डैयनदवतायेनमः॥ नैकोश्यामय
सिन्धोनमः॥ नैकोश्यागालवासिन्धोनमः॥ नैकोश्याः सः ३ जन
नरैववायवाष्ट॥ अननमस्तुलत्रिकानमासादनं॥ नैकोश्यानि
यूनादवाविस्महमेतामाह सुधीमहतनाभाकृपथादयानागाति
मस्तुलतकुलनदवास्तानखे सर्वयूजाडवानिसिखेयने॥
अर्धयागमुपयन॥ मनुलआत्मनयामः॥ नकावाहितहि
काल॥ नदाद्रुषद्कालवृत्यतेनसमनुलेकृत्या॥ अग्नि
॥ नैकदयायनमः॥ कौशिनसखाहा॥ सोः शिरायवाष्ट॥
यवा॥ नैकववायदे॥ मध्य॥ कौननप्रयायवाष्ट॥

[illegible]

सनाय नमः॥ ततौय निमहाया तुमूदकनयुक्ता ल्य भूययित्वा म
लमर्कुलमा ययतु॥ ततुयूजयतु॥ नुं दौं शौं यं भूमादिका
लाय नमः॥ नुं दौं शौं नउ व्या कलाय नमः॥ नुं दौं शौं लंछालि
न्य कलाय नमः॥ नुं दौं शौं वंछालि न्य कलाय नमः॥ नुं दौं
शौं शौं विमूलि न्य कलाय नमः॥ नुं दौं शौं स्वशौ कलाय नमः
॥ नुं दौं शौं हं कयिला कलाय नमः॥ नुं दौं शौं नं अग्निमनुताय
नमः॥ दशधर्मी कलाया यत्न नमः॥ नुं दौं शौं भूमादिदशकला॥
ततुया जालतय॥ नुं कानसमातिरय॥ वक्राय नियुनयूजयतु॥
नुं दौं शौं कैं हं तायि न्य कलाय नमः॥ नुं दौं शौं रैं वं तायि न्य क
लाय नमः॥ नुं दौं शौं गैं हं भूमा कलाय नमः॥ नुं दौं शौं हं रैं म

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 सोऽयं विष्णुर्भक्तानाम् ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 सः आनन्दं नयति ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 कं कुरु ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 वाङ्मनः ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 नमालिखतु ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 कलाय नमः ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 यथा कलाय नमः ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 उं यथा कलाय नमः ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥
 अथ विनायकस्तोत्रम् ॥ अथ विनायकस्तोत्रम् ॥

[illegible]

लात्य लारुय विन्दुयामहसु विधनिनी ॥ दिव्य नल कृताभाया
हमाह नल रुषिता ॥ सुतय द्या सनाय दीवदुय द्या यनिमिता ॥
नव नूयामहाय दीयान नीदिव्य नूयिनी ॥ कृमल सिद्धि दवैव कि
या सिद्धि सप्तकुविनु ॥ ससय नमहा विशाया धि ह्यादि साधन ॥
महाशक्ति कनिधेय महा संयद दामक ॥ महाशक्ति कनिधेय
महायाधिन जायसा ॥ नव सिद्धि कनाय दीया प्रदूजामहाहला
॥ **आनय्य नमः ॥ आवाहनादि त्रिकु न मूडा सामय ॥ आ**
निमूडा यदर्थय ॥ नै नमः ॥ सर्वसाधय ॥ कानम ॥ ज्ये स
दीयमासि ॥ सो नमः ॥ **अर्धमृता कनामि ॥ आवाहनादि ॥ धूय ॥ दी**

य ॥ नैवश ॥ ज्ञाय मूलमनु ॥ भुगु ॥ काय विद्यालियूर्नयनमम
गममनक सिन्दु नयलु ॥ वृद्ध ॥ खलु समुतावह निज निता
गुष्पा नायाय दया ॥ सासूषि गृष्टि रूयास कलजुन नलसि
खय नि सधवा ॥ साहाह विद्यान आमरिम नवन दामा कल ह्या
सदाता ॥ अतुगं ॥ दि ॥ पातु सुना सहित नत र्ययत ॥ **नै नमः**
॥ **आनन्द रे नवीयवायट ॥ नै नमः** **सनाय दीयौ यट ॥ नै नमः**
सुदुदरे नयामवायट ॥ योगव कामना उल किवा उमूल
मनु लसक ॥ अर्धजय ॥ नै नमः **ऋषि नायकौ नम**
॥ **आवाहनादि ॥ नमूडा यदर्थय ॥ नूनि यावुमूयनय**

यिक यस्वाय ॥ धनं रुमि साधन विधि ॥ यून नय कथं पु वलिध
यन यम लु यदा न ॥ ध वलि विम ॥ न्यासादि नाठ ध्वन मूनन ॥ ॥
गिद व ॥ या गिला ॥ रु डादि ॥ ह ठुकादि ॥ बुद्धा न्यादि ॥ नाठ स्व लमू
ल मंगु ल गिमां डेलि ॥ वलि ॥ लाक मदा वलिन धूनक ॥ धूय ॥ दिव
जाय ॥ मुति ॥ संवर्ण गिद व ॥ या गिला ॥ महा माया ॥ बुद्धा न्यादि ॥ नाठ
ध्वन स ॥ वलि विसर्जन मया संग याव ॥ कय स्वाय ॥ यू र्वादि ॥ ॥ ॥
नानु ॥ ॥ नुदिला कया ल कायथा ॥ स्वाय ॥ अर्द्ध इ इय ॥ स्वाय ॥ ध
सव माय ॥ वलू क द्याय ॥ बुद्धा विष्णु मरु ध्वन ॥ मर्हि ला कया ल ॥
टित कव ॥ लूठि नाग ॥ सा अनन क काटि दव ॥ यलियय ॥ धन धून

काव वलि विसर्जन ॥ ध वलि मउ यदाय कं दिग विदिग सहा ल ॥
धन यलि उभय विधिसमाय ॥ ॥ तभा या डोल नु विधि ॥ यरु दव
नाठ ध्वन काक ॥ नाठ ध्वन संयुजा ॥ नागो नाठ ध्वन कान वन ॥ नदी
संतम ससा नयाय ॥ न्यास ॥ गंख यूजा अक न दारु लद्द गंख स
न ॥ यूजन ॥ उं गं गं यनम ॥ उं जमू नायनम ॥ निर्म दायनम ॥ का
य नी नम ॥ को गिका नम ॥ गलु नम ॥ शुन रि ॥ उं मू लं डयायनम
॥ स्वाहा ॥ उं वरू न्नायनम ॥ धूय ॥ दीय ॥ जाय ॥ उं ईं स्वाहा ॥ धन
॥ मुज ॥ यून ॥ अमु मकु ल कल सनृ वयु न ॥ षउं गमूल नयाना नसा
ध ॥ धूयिग ॥ कुरु कल सन ॥ आचार्य स संयका याव कल सवि

उज्जानआनकावगार्थसंगमवादायआचार्यसंन्यासाभूतशुद्धि
नदीमध्यअर्धदलंआचार्यनअध्यापकाद्वारुलवदकावलरसठ
जानकलससरुमादनदीनानसंविज्ञायकेठा॥हेनवचयन
नाठध्वनमावाहयन्॥॥वलिवृत्तातअर्धयात्रुमावयूडेनया
य॥शुनूनमस्का नमांसदियात्मयूजानाठध्वनमूलन॥॥उंको
नमस्वाहा॥हेनयनाथयादुकायूजयमि॥आवाहनादिमूडादग
यन्॥प्रियांजलि३असिगाझादियनिवाचयूजा॥ब्रह्मान्यादि८
यनिवाचसह॥नेवस्वनाधियनयमथनामअवतनमलुलम॥
अवतन२वतुवुजगिनप्रखलीगरवक्करुठकशूलयानायमहा

कयालमालारुननायविशूलाटिसमयकनद्वहिरुगवतुहेनय
नयनम॥थायलीगनानायलिगृह२स्वाहा॥गुन्नादिलाकयाल
॥॥असिगाझादिअश्रमहारुनवायवलि॥॥ब्रह्मान्यादिअश्र
मागृकावलिगृह२स्वाहा॥आवाहनादि॥धूय॥दीय॥आय॥मु
तु॥दक्षिण॥समयद्वय॥वलिविसर्जन॥यतुर्दिगसवाय॥॥
गगाकलसउन्नन॥विमूजानआनकविज्ञायकेठा॥अनूनादय
थलासभवनमदायकंदयावमूलनाठध्वनसकलससरुजय
तु॥शुनूनमस्का न॥नाठध्वनकर्मार्थिनयूजायाय॥दयकलशायुगा
लनयूजन॥आवाहनादिनृत्यमूडाध्वनमूडादगयतु॥॥तभास

युदाययुजा ॥ उँ हँ न व नी साम मूर्त्ता लाय नमः ॥ गाल ॥ उँ हँ न
म लु लाय नमः ॥ उँ व र्वि ॥ उँ हँ म म सा काल म लु लाय नमः ॥ र्वि
र्वि ॥ उँ हँ क का ल लाय नमः ॥ उँ हँ का ग ध नाय नमः ॥ व ह लि ॥ उँ हँ
क काल मूर्त्त नि र्द न य ठा काय नमः ॥ ग ध ॥ द्या य ल मूल म कु ल
॥ व उँ ग न संयुज ॥ ॥ ध न युज न सक ल ग न सा द्या य न या ग
यु व म माल ॥ व उँ ग न संयुज ॥ ध न संयु दाय युजा ॥ धू य ॥ दी य ॥ न
य य ॥ ज्ञा य मु नि ॥ य शु न र्म ल ॥ ॥ ध ना वा का ल द्या य यु न का य स
म य थ य न ध य क ॥ अ वा र्थ न श का म ग व ॥ अ र्मा न सं धू न का य ध
न उ नि स म य का य ॥ य व सा ना य य न ॥ यु गु नि वि धि ॥ ता य का य

ल स न का था उ थ या व ॥ अ क त रा य स्ना न ॥ न का य का ॥ ध न था उ थ
या व ॥ क द्म न का ल थ या व ॥ ज लि म ना स ॥ अ क त द्वा रु ल स्ना न ॥ न
का था न त या व ॥ ध या का था न थ व या क न ॥ को ल न या त ॥ रु णि क
धि ॥ क या म द रू क द्या न म ना क ॥ इ रा य क सू उ या ना हा न न च ल
क ॥ उ ना स न या व ॥ य ना नि स क ध ना य क न या व ॥ द्या य यु जा या
का य न या ॥ ना ठ ग्ग न द्या या दा थ न र्म ॥ स ना न ॥ य क्म मृ त ॥ अ लि
स ना न ॥ य न्द ल ॥ सि धू न ॥ दि धि ॥ उ उ म का ॥ स्ना न ॥ उँ हँ द्या ॥ अ
मु य रु ठ ॥ अ र्ध या उ ल र व न सा य ॥ मूल न नि नि क ल ॥ उँ हँ द्या क
य या य ह ना उ ल ॥ अ व गु न ॥ को ल न या वि धि ॥ ध या दा य क न

कावलस्यस्य अखानयन ॥ १ ॥ सम्ययद्वाय दक्षिना न लिखका ॥
 दयद्वायकाव ॥ समयद्वायकाव ॥ दयद्वायार्कदक्षिना ॥ नृकानक ॥
 अम्बस्नानकाकायाव ॥ जनिमनासथादस्नानकायाव ॥ दयससिंधु
 नक्षमाव ॥ जनिमनासगयावन ॥ अम्बस्नान ॥ दयसस्नानकायाव ॥ कलस
 सन ॥ नदिसंगमवदामथ ॥ सरवज्जालादिसकलवि ॥ विज्जवकड
 दामरुमझलजागयाद ॥ जलिमलायायार्कलजाव ॥ सुगुनधूय
 प्रागुजाकाव ॥ गुगुलि कथंकाव ॥ दयद्वायार्कनिव ॥ विज्जवक ॥
 मनुयद्वायसलसाय ॥ दूकायनसत्यद्वायन ॥ थायनयसायक ॥
 व्याखनवि ॥ जाल ॥ अर्धनयठा ॥ जलिमनासथादस्नाननकायान

लं जुरवाननाठयनसखास्यंन ॥ ॥ गभा कलसनाठयनयूजा ॥
 यूर्वा कक्रमनयूजयन् ॥ दिगयूजाविधिर्ध्याय ॥ किन्नलनामवि
 धिर्ध्याय ॥ कीन्नलनामयूजाविधिर्ध्याय ॥ संयदाययूक ॥ द्याघनः ॥
 कुममाल ॥ धूय ॥ दीय ॥ दायमुनि ॥ यष्टुतर्क ॥ ॥ आखन
 मालासालहयावसस्त्रिकसत ॥ नवयुनादि ॥ दीयलासनका ॥
 दक्षिणसहितनसंयदाययूक ॥ आखनमागतयक ॥ तालनना
 यक ॥ ॥ समयदक्षिण ॥ नृकानकजम्बयूर्व ॥ वलिविसर्जनि
 ॥ शुभस्थानकठन ॥ यलक्षिमनविम ॥ द्विधनिसूनयमाल ॥ नाठ
 यनलिमनमाल ॥ निठनयाविकान ॥ ॥ तताज्यकजाय

नथविधि॥ नकसनाटस्थनयूजा॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
सनाटस्थनयूजासंयुदाययूजाद्वयथ॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
यशुकर्यल॥ सलसिंदवलिद्राय॥ सलसिंदवलिद्राय॥ सलसिंदवलिद्राय॥
उर्यगमयूयजनयाप्रमान॥ नोअरुनसाधनसमान॥ यशुकर्यल॥
लमालासालहयावससिकसगयावद्वयथनृवयुनादिदी
यलाहनका॥ सज्वनाथिजाशीवाय॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
याव॥ सरुजावथियुतिह्य॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
नविम॥ गालत्यायक॥ समयदकि॥ सानकाकाय॥ वलिधि
सर्जन॥ साकिथय॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥

नकसमूलनाटस्थनयूजा॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
धूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥ संयुदाययूजाद्वयथ॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
लिसगयूतलो॥ उर्यगमयूयजनयाप्रमान॥ नोअरुनसाधनसमान॥ यशुकर्यल॥
युयामनु॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥ सलसिंदवलिद्राय॥
यशुकर्यल॥ गयुयनके॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
यावनमालासालहयावससिकसगयावद्वयथनृवयुनादिदी
लाहनका॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥ सरुजावथियुतिह्य॥
धूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥ यावमान॥ धनधूनडावकलसनाटस्थनयूजा॥
लायगमयूयजनयाप्रमान॥ नोअरुनसाधनसमान॥ यशुकर्यल॥

स्थान का काम । स्थान विप्र सकल सं ॥ यलि विसर्जन प्रादुर्भा
 द्वितीय ॥ ॥ अथा वाक्य ॥ ३ नृत्यश्च नमसां नवम किं का ।
 मना ॥ ॥ धनलिल व्यामन दूयाव वावा । अथाल नाट ॥ नृत्य
 न विप्राय यव सशकाया ड द्रुप ॥ असा मूग द्रुका ॥ धननि धन
 वदं वावा यव सज्जन कायाव धनिथय न धिमाव द्या द्यन नाम ॥
 नृनिद्याय न सिद्धि विधि समा ॥ ४ ॥ न ताक नृनि सिद्धि विधि ॥
 कनू नया विधान ॥ इध कू द्रु सकल लसिं या दाव रव नि सान मा
 दाव वमुहं लाव नृक रु कृ पाय ॥ नागि वन दाव ॥ अर्द्ध नि साया ल
 का व द्रुजा द्याय काव ॥ नृत्यश्च न द्रुजा पाय ॥ मानानि यथा यहा
 वाक्य १

न द्रुजा ॥ धूप ॥ दीप ॥ जाय ॥ मुति ॥ यशुत र्यन ॥ धनलिल कल
 न विप्रमाल काया उवा दाव दव सक साव क न याव ॥ अथ नृत्य
 याव व्याखन मा अनूमान न कनू नया उ कथ व थ व रव अनाय
 सं काम ॥ धनलिल कनू नया उ लं स मय व न मया य क नाम ना
 य क गुगुलिकुं थ दाव थुं म न ॥ क्राटा का था द्रुका था स ॥ दंसा
 या व र्व वा क र्व थ लाव ल र्व म लु ल स्व म लु ल थ लाव थ मा
 उयलिस य न वा स नाय दाल ॥ ॥ सय दाम या गाव न वा
 याव ॥ र्व नाल ॥ वदलि व्याखन मा या अनू र्व य न सं
 काय ॥ म लु ल या द व न ॥ ॥ स्वम लु ल सं क वा दा य

(नाम क नृनि)

ॐ ज ज म का स्या न यु य ॥ ध नि धा नै ध य न ॥ गु नू न म क म ॥ व्य र
क वा स न व ना ठ ध न य ज म य म ज ॥ यू ज न ॥ प्रि द व ॥ ज व ल ॥
ल स ॥ ॥ ॐ हू न नि न म स हू न व वा य न म ॥ वि मा ॐ लि ॥ स्व व ल
म उ ल स ॥ ॐ हू म म स काल म स हू न व वा य न म ॥ प्रि य ॐ लि ॥
दा न स ॥ ॐ हू अ वा न श क ल्या दि ॥ ॐ हू वृ वा मा य न म ॥ ॐ
हू श्री ग्रा म सान ल्य व न रू न व वा य न ल्य ल श्री स सि ना य न म ॥
॥ प्रि मू मा ॐ लि ॥ ॐ जं ग ल स वृ स आ वा रु ना दि या नि मू डा ॥
थ न रू स म्भ दाय यू जा ॥ धू य दी य जा य ॥ हटे ॥ मु नि ॥ सं व र्ण
प्रि द व ॥ नृ ल्य स व न स ॥ अ मू क ना ट क स क र ल सि द्वि क स ना य
न व न स ३

वि थं अ नू र्ग क ॥ ॥ क नू ल वि य य स न भा
ला सा ल द या व स सि क स थ य ॥ नृ य दू ना दि भ रू ग ल
या स य ना थि आ र्वा द ॥ सरू य नि म्मा अ न यि ॥ ध रू धू य व
सं य दाय द्वा य ॥ ध न लि य तु स स्का न ॥ प्रि त्व न स व भ य ॥ अ क
नू का मा व ज य न थ म नू ॥ ॐ हू यू कू क नू ल नू य म स हू न व वा
म हू न श कि श दि ता य अ व न ॥ ॐ हू न र आ ग रू स्वा हा ॥ ॥
मं उ ल मा उ स ज य थ व न ॥ १०६ ॥ ना टि का स ज य थ व न ॥ ॥
ह द य सं ज य थ ॥ ॥ ध ना यि द न ग मा वा न्दा न वृ जा य न व न ॥
वी न कृ थ रु मा न क ॥ ॥ ध न वृ दा व य्या स व न ह य क ॥ क नू न डू क
वी न म नू

यद्यप्येवं सोऽमुं यत्तु । यत्तु सत्का ॥ धन ॥ धनं कल
॥ धनं यत्तु ॥ यद्यप्येवं न काऽमी न ॥ त्यादि ॥ न कय न न
॥ सिध न ल हाय ॥ यद्यप्येवं न का यान गी न क ॥ लू सि ल र वा
न य म गी य क रू न सा स्य ॥ यत्तु धन ॥ अ क र ॥ हा रु ल न क ल स
या य न त्रि का ल ॥ क ल स धू य क रू य ॥ दू व न सून नी वी उ गाय
॥ यद्यप्येवं का र्थ न वी न स ॥ यत्तु सि धि क रू य टा का ॥ यद्यप्येवं न क
॥ सि धि नि न ड न पि न ॥ यद्यप्येवं का न हि न ॥ अ द वा न ॥ धन वी
न क ल स द्वा य य ॥ यद्यप्येवं न त इ ध न ॥ स म य म ल न था य ॥ ध ल
स क रू दू या न ॥ यद्यप्येवं न त इ ध न ॥ स म य म ल न था य ॥ ध ल
स क रू दू या न ॥ यद्यप्येवं न त इ ध न ॥ स म य म ल न था य ॥ ध ल
स क रू दू या न ॥ यद्यप्येवं न त इ ध न ॥ स म य म ल न था य ॥ ध ल

न दू य स रू ॥ यद्यप्येवं न त इ ध न ॥ स म य म ल न था य ॥ ध ल
न ॥ यत्तु वा स न था या व माल का व स य न था व था ला व न यि ॥ यद्यप्येवं
यद्यप्येवं न मान का व स य ॥ ॥ तत्ता मूल ना ठ न य दू जा ॥ दू ज य दू
स ग्ग वा य न न मूल मं तु या तु ना म दू थ दू था य ॥ ॥ दू दू दू दू दू दू दू
न क रू सि धि सि धि दू न म ॥ न का यि मं तु अ क रू न था य ॥ ॥ दू दू दू दू दू दू दू
यत्तु स मं तु व ना य दू थ दू वा न ॥ दू व स दू व न न ॥ ॥ दू न न दू
यत्तु स मं तु ॥ गु रू न स स्का ना दि अ ल स य दू जा ॥ स न ॥ स्व ध नि न
न म ॥ यत्तु सि धि अ क रू न दि धि क रू य टा का ॥ यद्यप्येवं न क ॥ अ
द वा न ॥ स न दू य ॥ अ य दू जा था य ॥ स य दू य ॥ न ल व व लि स्व
॥ दू दू न ॥ न ल य ति ॥ ल स रू लि ॥ अ य लि ग ॥ स य दू का ॥

अतिथि सा ॥ गंगु ॥ धर्म सिद्धि जन्म का स्वान ॥ नव उच्छिष्ट मक
नरिह मान ॥ अतदव सह वेन वास्यत ॥ स्वस्तिक या पाव वास
त ॥ तना यूनान ॥ सूर्य यम सन कर ॥ गुरु नम स्कान ॥ नव
नय गु निमाद हृथ सा स्या ॥ तना न्यास ॥ उं कूं कूं ॥ अमु यरु ह
कन सा धन ॥ उं कूं कूं अ गु वा मनस ॥ उं कूं कूं त कूं न्याय मा
सा ॥ उं कूं कूं म अ मा म यो यद ॥ उं कूं कूं अनामिका यद ॥ उं कूं कूं
कनिष्ठिका यद ॥ उं कूं कूं ॥ अमु यरु ह ॥ कन न्यास ॥ नव
न न्यास ॥ उं कूं कूं हृदय मा मनस ॥ उं कूं कूं जिन स स्या सा ॥ उं कूं कूं
स्वाय वा यद ॥ उं कूं कूं कव वा यद ॥ उं कूं कूं न त गु मा य व यद ॥
कूं कूं अमु यरु ह ॥ अ न न्यास ॥ उं कूं कूं अमु यरु ह ॥ कन गुहि

उं कूं कूं अ गु वा मनस ॥ उं कूं कूं त कूं न्याय मा
सा य वा यद ॥ अ ननामिका यद ॥ उं कूं कूं कनिष्ठिका यद ॥
कूं अमु यरु ह ॥ कल त ल ह य ॥ कन न्यास ॥ उं कूं कूं ॥ जिन स
न ॥ उं कूं कूं ॥ ल लो ट मा न ॥ उं कूं कूं ॥ व कु म लु ल ॥ उं कूं कूं ॥ ह द म
॥ उं कूं कूं ॥ ना सो ॥ उं कूं कूं न गु द ॥ उं कूं कूं य ॥ ज्ञा न ॥ उं कूं कूं ॥ या द ह य
न वा क न न्यास ॥ अ उं कूं कूं न ज ल या य यून ॥ उं कूं कूं स ह मु वा य
॥ ता लु वा य मा म ह त ना त ली य या द मा त ॥ आ सा दि स र्व या द
॥ मूल ब र्ज ल न ब र्ज या य यून ॥ कूं कूं कूं कूं कूं ॥ ह त लु डि ॥ अ
थ ना दि ल लो ता न ॥ मूल मं तु ल आ ल य द ॥ अ न दि य व न
माल नी य थ न ॥ त ना दि यो र्ध न ॥ उं कूं कूं ॥ उं कूं कूं न न दि न म

सा रं न कथ नमः ॥ स्ववत्तास ॥ उं द्रु मं म हा का ल व ल ह न वा य
नमः ॥ दा ग स ॥ उं द्रु आ ध न ग क नमः ॥ उं द्रु अ त ना स नमः
॥ उं द्रु क न्दा सा य नमः ॥ उं द्रु ना ला सा य नमः ॥ उं द्रु य द्रा सा य
नमः ॥ उं द्रु क ण ना सा य नमः ॥ उं द्रु क र्त्तु का सा य नमः ॥ उं द्रु
य द्वा सा य नमः ॥ उं द्रु ध ना सा य नमः ॥ उं द्रु व द्वा सा य नमः
उं द्रु व र्मा य नमः ॥ उं द्रु ह ना य नमः ॥ उं द्रु वे ना ला य नमः ॥ उं द्रु
ग ष्ठा य नमः ॥ आ य मा दि गु ण ना न ॥ उं द्रु अ व र्मा य न
मः ॥ उं द्रु अ ह ना य नमः ॥ उं द्रु अ वे ना ला य नमः ॥ उं द्रु अ
मा य नमः ॥ य द्वा दि उ रु ना न ॥ त त आ न ॥ उं द्रु अ क व क

मि प्र व ना ग क लु ल म लि तं ॥ उ टा इ तं ग ण वु तं स्व त र्ति व र्
सु प्र द्र व ॥ आ उ ग वु तं क ला का न ता लु व य न म ष व रं ॥ उ ट
इ नु य नु यं उ म र्ति शू ल म व य ॥ उि द लु श व द्र व क रु का उ क
मालि क ॥ त थ आ न नु ल्य नु यं स द्रा कृ य द्वा म व य ॥ ना ग व र्ति
थ अ लं क य ल य क म लु ल ॥ स ह म म्भ र्ति स का ग क ल र्ति न
न य रु ॥ वृ षा स न स मा नु र्ति नु र्ति ग त न स इ तं ॥ रं न व नु र्ति
न ॥ स र्ति लं का न सा र्ति ॥ नु व द्वा ल्या म हा द व ना य का र्थ स र्ति
॥ मा न या ना दि ता थ य स र्ति दः ॥ स्व वि ना स न ॥ ति आ न ॥
श्री म हा नु र्ति श्व म र्ति न वा य नमः ॥ म ॥ उं द्रु वा मा नमः

ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥
कृष्ण नमः ॥ ॐ ह्रीं वल्लभ नमः ॥ ॐ ह्रीं वलयथ नमः ॥ ॐ ह्रीं
सर्वरूपदामनी नमः ॥ ॐ ह्रीं ममात्मना नमः ॥ यादीदि ॥
नंक कर्त्तुं कष्ट ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥
यतनः ॥ म ॥ ॥ ॐ ह्रीं सथात्रा नमः ॥ ॐ ह्रीं यामदया नमः ॥
मः ॥ ॐ ह्रीं अद्यानाय नमः ॥ ॐ ह्रीं तल्लूरयाय नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नमः ॥
नमः ॥ म ॥ ॥ ॐ ह्रीं ताकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं नाकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं
ह्रीं लाकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं काकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं साकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं
साकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं याकिनी नमः ॥ ॐ ह्रीं रासना नमः ॥ यादीदि

[illegible]

